अनुसूची 2 [ ]—फारम सं० 113

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

1698
11-716

प्रमाण-पत्र संख्या ..... 19..... आवेदन सं० 5010 ..... 19.....

चूँकि श्री ..... 9-716 .....

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्बंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये सत्य के अनुसार विवरण दे।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता० 2005 ..... 19..... से ता० to till date ..... तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला ..... चला है अत: ..... Nil

क्र० सं०	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र० निदेश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	मौ ना पु न 4 C 35	रा ता 2,16 34	पु लि 75,76 7778	तीन 5059	Non 50.84	Kath		

N→ Plot No- 79
S→ Sunny Kahar Part Plot No- 75
E→ Plot No- 104 and 105
W→ Road

निबंधन कार्यालय पटना

Sub Registry Office, Danapur

Receipt for search, inspection and copy

Shri Kumar Rai

Misc token no. Serial no. 7016

Year Date 9-7-16

Received from

Following fees:

F (i)- 0 F (iii)- 0 G- 0

F (ii)- 0 F (iv)- 0 G(a)- 0

Total- 0

Registering Officer

Scanned by CamScanner

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।
2. बंधक पत्र की दिशा स्पष्ट की करें और भुगतान की अवधि दर्ज करें। वर्तमान को उसके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर): Radha Ashok

(पदनाम): A.D.C.

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जांच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर):

(पदनाम): A.D.C.

कार्यालय: 21754

तारीख: 9-7-2016

मुहर एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर 11-

टिप्पणी:–इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शनस) ईस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जावेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा ५७ के अधीन जो व्यक्ति (व्यक्तियों) और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रतियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतियाँ लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण-पत्रों की जरुरत हो उन्हे तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर प्रतियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जावेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी प्रकार जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढ़े गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढ़े गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला निबंधक 21754

ज्ञाप संख्या 1156 दिनांक 11-7-16

आवेदक श्री [illegible]

का अवभार प्रमाण-पत्र द्वारा [illegible]

का उनके पत्र संख्या दिनांक 9-7-16 के प्रसंग में आपसूचित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी.

21754

11-7-16

SPL-40/99-2,00,000

Scanned by CamScanner

अनुसूची 21--फारम सं0--113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

प्रमाण–पत्र संख्या ..... 20 ..... आवेदन सं0 ..... 20 16

चूँकि श्री Shiv Kr. Kaj 6129

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता0 1986 20 से ता0 2004 तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला .....

.....चला है अत:

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza Babakarpur P.S — Jamalpur P.S/N 35 Tauzi/N 5059 Khata/N 2,16,34 Plot/N 75, 76, 77, 78 Area 50.84 Kathe.							

Schedule XXI-Form No. 18 (H) 017020 SI.N.

RECEIPT FOR FEES DEPOSITED FOR SEARCH & COPY

Serial number of application 3211

Date of application 1.11.2016

Name of applicant

Fees Paid

Stamp Paper for Old

Date of deposit

Registering Officer

Scanned by CamScanner

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।

2. बंधक–पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।

3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मै यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुर्क्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण–पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम): SC

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

कार्यालय: Patna,

तारीख: 13/7/16

13/7/16
मुख्य एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

टिप्पणी :– इस प्रमाण–पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण–पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा–57 के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमाणियों (इन्डेन्स) की प्रवष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण–पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वंय करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणियों उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(ब) किन्तु चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने स्वंय तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रामण–पत्र में दिया है, इसलिए दिभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक, Patna

ज्ञाप संख्या 6294 दिनांक 13/7/16

आवेदक श्री Shiv Kr. Rai

का ऋणभार प्रगाण–पत्र द्वारा Assistant General manager SCL Ranchi

का उनके पत्र संख्या ..... दिनांक 11/7/16 ..के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,
13/7/16
Patna

Scanned by CamScanner